हिंदी विभाग
विश्वभारती, शांतिनिकेतन
पश्चिम बंगाल - 731235

एन.ई.पी. आधारित
चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (एफ.वाई.यू.जी.पी.)
कोर्स कोड : BA108

पाठ्यक्रम विवरणिका
(शैक्षणिक सत्र : जुलाई, 2025 से आरंभ)

प्रस्तावना: एन.ई.पी. (NEP) आधारित चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (एफ.वाई.यू.जी.पी./````FYUGP) एक व्यापक एवं सांस्कृतिक रूप से समृद्ध स्नातक कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य छात्रों की हिंदी भाषा, साहित्य और संस्कृति की समझ को गहराई प्रदान करना तथा उन्हें गहन अध्ययन और अनुसंधान के लिए प्रेरित करना है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में ऐसे विवेकशील, संवेदनशील और आलोचनात्मक दृष्टिकोण से युक्त व्यक्तित्व की आवश्यकता है, जो समाज में व्याप्त नकारात्मक प्रवृत्तियों के विरुद्ध समानता, न्याय और बंधुत्व की भावना को सशक्त बना सके। साहित्य का अध्ययन न केवल मानवीय चेतना का विस्तार करता है, बल्कि उसमें निहित मूल्यों के माध्यम से मानवीयता और नैतिकता की दृढ़ स्थापना भी करता है। इस पाठ्यक्रम में भाषा, आलोचना और सिद्धांतों का अध्ययन जहाँ एक ओर छात्रों को विचारधारात्मक गहराई प्रदान करता है, वहीं दूसरी ओर कविता, कहानी, नाटक और निबंध जैसे रचनात्मक विधाओं का अध्ययन उनकी व्यावहारिक समझ और अभिव्यक्ति क्षमता को सशक्त बनाता है। स्नातक हिंदी का यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों ही स्तरों पर सक्षम बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस पाठ्यक्रम में सम्मिलित वैकल्पिक विषयों की व्यवस्था छात्रों को अपनी रुचियों और अनुसंधान की प्रवृत्तियों के अनुसार विषय चयन की स्वतंत्रता प्रदान करती है।

उद्देश्य(Objectives) इस पाठ्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य कक्षा 12 वीं के पश्चात विद्यार्थियों को हिंदी विषय के गहन अध्ययन के लिए प्रेरित करना है। पाठ्यक्रम कुल आठ सेमेस्टरों में विभाजित है। चौथे सेमेस्टर में विद्यार्थियों को वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के चयन की सुविधा प्रदान की गयी है, जिनमें कुछ पाठ्यक्रम अंतःविषय (interdisciplinary) दृष्टिकोण को विकसित करने में सहायक हो सकते हैं। साथ ही, इंटर्नशिप को सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य किया गया है, जो शोध की प्रारंभिक समझ विकसित करने और आगे की शैक्षणिक यात्रा का मार्ग प्रशस्त करने में सहायक हो सकता है। पाठ्यक्रम का एक अन्य महत्वपूर्ण उद्देश्य भाषा और समाज के परस्पर जटिल संबंधों की पहचान करना है, जिससे विद्यार्थी देश, समाज और विश्व के व्यापक सरोकारों से जुड़ सकें। इसके माध्यम से उनके भाषा-कौशल, लेखन क्षमता और संप्रेषण दक्षता का भी सर्वांगीण विकास संभव हो सकता है। पाठ्यक्रम में भाषा विज्ञान, हिंदी साहित्य, भारतीय ज्ञान परम्परा, भारतीय साहित्य तथा प्रयोजनमूलक भाषा विज्ञान जैसे विषयों का समावेश किया गया है, जो विद्यार्थियों के बौद्धिक क्षितिज का विस्तार करते हुए उन्हें समग्र दृष्टि प्रदान करने में सहायक होंगे।

परिणाम(Outcomes) इस पाठ के अध्ययन एवं शिक्षण के परिणामस्वरूप निम्न प्रमुख बिंदु सामने आते हैं:

1. हिंदी भाषा की मूलभूत समझ- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों को हिंदी भाषा की प्रकृति, ध्वन्यात्मकता तथा संरचना के वैज्ञानिक पक्षों की सुस्पष्ट जानकारी प्राप्त होगी।
2. भाषा की व्यावहारिक दक्षता- भाषा के व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान प्राप्त कर छात्र प्रभावी संप्रेषण कौशल विकसित कर सकेंगे।
3. शोध एवं अध्ययन की दिशा में उन्मुखता- उच्च शिक्षा के क्षेत्र में हिंदी की भूमिका को समझते हुए छात्र इसे शोध और अध्ययन के प्रभावी माध्यम के रूप में ग्रहण कर सकेंगे।
4. सांस्कृतिक बोध और व्यक्तित्व विकास- हिंदी के साथ-साथ भारतीय साहित्य का अध्ययन छात्रों में सांस्कृतिक जागरूकता और व्यक्तित्व निर्माण में सहायक सिद्ध होगा।
5. मूल्य-बोध का विकास- साहित्य के अध्ययन से नैतिकता, सामाजिक समरसता, न्याय एवं संवेदनशीलता जैसे मानवीय मूल्यों की समझ विकसित होगी।
6. आलोचनात्मक दृष्टिकोण का विकास- साहित्यिक विषयवस्तु पर सहमति-असहमति की विवेकशील दृष्टि विकसित होगी, जिससे वैचारिक स्पष्टता आएगी।

7. ऐतिहासिक और समकालीन साहित्य का मूल्यांकन- साहित्य को प्राचीन से समकालीन संदर्भों में समझने की क्षमता विकसित होगी, जिससे युगबोध और साहित्य के महत्व का विश्लेषण संभव होगा।

शिक्षण-प्रशिक्षण विधियाँ: इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए शिक्षण प्रक्रिया में कक्षा-व्याख्यान, समूह-चर्चा, विषय-आधारित सेमिनार, वाद-विवाद, लिखित परीक्षाएँ तथा अन्य शिक्षण-अभ्यासात्मक गतिविधियाँ सम्मिलित की जाएंगी, जिससे अध्ययन अनुभव अधिक प्रभावशाली और समृद्ध बन सके।

पाठ्यक्रम विवरणिका: यह पाठ्यक्रम वर्ष 2025 के प्रथम सेमेस्टर से लागू किया जाएगा। पाठ्यक्रम की संरचना, प्रश्नपत्रों के प्रारूप तथा अंक-विभाजन में आवश्यक एवं उपयुक्त संशोधन किए गए हैं। इसके साथ ही, प्रस्तावित पुस्तकों की सूची को भी अद्यतन किया गया है। स्नातक हिंदी का यह पाठ्यक्रम एक चार वर्षीय कार्यक्रम है, जिसे आठ भागों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक भाग में दो-दो सेमेस्टर होंगे।

परीक्षा संरचना एवं अंक-विभाजन

MAJOR, MINOR, MULTIDICIPLINARY, RESEARCH COURSE
(मेजर, माइनर, मल्टीडिसिप्लीनरी और रिसर्च कोर्स)
कुल अंक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
मुख्य परीक्षा : 80 अंक
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (3×16) : 48 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न (4×8) : 32 अंक
मुख्य परीक्षा की अवधि : 3 घंटे

SEC (एस.ई.सी.)
कुल अंक : 75
आंतरिक मूल्यांकन : 15 अंक
मुख्य परीक्षा : 60 अंक
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (3×12) : 36 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न (3×8) : 24 अंक
मुख्य परीक्षा की अवधि : 3 घंटे

AEC MIL – HINDI (एस.ई.सी.)
कुल अंक : 50
आंतरिक मूल्यांकन : 10 अंक
मुख्य परीक्षा : 40 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न (4×5) : 20 अंक
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×10) : 20 अंक
मुख्य परीक्षा की अवधि : 2 घंटे

मेजर हिंदी (MAJOR HINDI) : मेजर हिंदी स्नातक हिंदी पाठ्यक्रम का चयन करने वाले विद्यार्थियों को एमजेएचडी (MJHD) के चार वर्षों के दौरान आठ अलग अलग सत्रों में 21 (21x4 = 84) पत्रों का अध्ययन करना होगा जिसका उल्लेख पाठ्यक्रम विवरण में किया गया है।

एसइसी हिंदी (SKILL ENHENCMENT COURSE HINDI) : इसके साथ हिंदी मेजर के विद्यार्थियों को एसइसीएचडी (SECHD) के 3 (3x3=9) पत्र प्रस्तावित किया गया है, जो प्रथम तीन सत्रों में पूर्ण किये जायेंगे।

माइनर हिंदी (MINOR HINDI) : एमएनएचडी (MNHD) के 4 पत्र हिंदी पाठ्यक्रम में हिंदी मेजर के इतर विद्यार्थियों के लिए प्रस्तावित है। जबकि हिंदी मेजर के विद्यार्थियों को माइनर पेपर के रूप में हिंदी से इतर अन्य दो अलग-अलग विषयों (4x4= 16 & 4x4=16) का चयन कर अध्ययन करना होगा।

मल्टीडिसिप्लिनरी हिंदी (MULTIDICIPLINARY HINDI) : एमडीएचडी (MDHD) के 3 (3x3=9) पेपर मेजर हिंदी से इतर विद्यार्थियों के लिए प्रस्तावित है जबकि हिंदी मेजर के विद्यार्थी हिंदी से इतर मल्टीडिसिप्लिनरी पेपर का चयन कर अध्यन करेंगे। ये पेपर प्रथम तीन सत्रों में पूर्ण किये जायेंगे।

रिसर्च कोर्स हिंदी (RESEARCH COURSE) : मेजर हिंदी के विद्यार्थियों को आरसीएचडी (RCHD) पात्र के अंतर्गत सप्तम सत्र में शोध प्रविधि (RCHD-1) और अष्टम सत्र में (RCHD- 2 और RCHD- 3) का अध्ययन करना होगा।

ए.इ.सी.सी (एम आई एल : हिंदी) : इसके दो पत्रों (2X2=4) में से एक प्रथम वर्ष के किसी एक सत्र में और दूसरे को द्वितीय वर्ष के किसी एक सत्र में पूर्ण करना होगा। इसके अतिरिक्त अन्य आधुनिक भारतीय भाषाओं में से किसी एक भाषा के दो पत्रों (2X2=4) का अध्ययन करना होगा।

वी.ए.सी. (VAC) : इसके अंतर्गत प्रथम वर्ष के दो सत्रों में रवीन्द्र अध्ययन (Tagore Studies) (3X2=6) और तृतीय सत्र में ईवीएस (EVS) का अध्ययन करना होगा।

इंटर्नशिप : यह एक 4 क्रेडिट 120 घंटे का कोर्स है, जो चार वर्ष के पाठ्यक्रम के दौरान प्रथम, द्वितीय, तृतीय या चतुर्थ वर्ष में से किसी एक वर्ष के अंत में अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाना चाहिए।

पाठ्यक्रम विवरण

पत्र संख्या	पत्र कोड	शीर्षक	क्रेडिट	सत्र
		मेजर		
1	MJHD-1	हिंदी साहित्य का इतिहास: आदिकाल से रीतिकाल	4	1
2	MJHD-2	मध्यकालीन कविता -1	4	1
3	MJHD-3	हिंदी साहित्य का इतिहास: आधुनिककाल	4	2
4	MJHD-4	आधुनिक हिंदी कविता-1	4	2
5	MJHD-5	आधुनिक हिंदी कविता-2	4	3
6	MJHD-6	भारतीय काव्यशास्त्र	4	3
7	MJHD-7	हिंदी कहानी	4	4
8	MJHD-8	हिंदी भाषा एवं लिपि	4	4
9	MJHD-9	हिंदी उपन्यास	4	4
10	MJHD-10	हिंदी निबंध	4	4
11	MJHD-11	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4	5
12	MJHD-12	हिंदी नाटक	4	5
13	MJHD-13	हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता	4	5
14	MJHD-14	प्रयोजनमूलक हिंदी	4	6
15	MJHD-15	मध्यकालीन कविता- 2	4	6
16	MJHD-16	अस्मितामूलक विमर्श	4	6
17	MJHD-17	भाषा विज्ञान	4	7
18	MJHD-18	आधुनिक भारतीय साहित्य	4	7
19	MJHD-19	कथेतर गद्य साहित्य	4	7
20	MJHD-20	समकालीन कविता	4	8
21	MJHD-21	लोक साहित्य और संस्कृति	4	8
		माइनर		
1	MNHD-1	हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधरा	4	1 & 2
2	MNHD-2	आदिकालीन एवं निर्गुण काव्य	4	3 & 4
3	MNHD-3	कथा साहित्य	4	5 & 6
4	MNHD-4	हिंदी नाटक और एकांकी	4	7 & 8
		स्किल एन्हांसमेंट कोर्स		
1	SECHD-1	संपादन प्रक्रिया और साज-सज्जा	3	1
2	SECHD-2	हिंदी साहित्य और सिनेमा	3	2

3	SECHD-3	सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र	3	3
		मल्टीडिसिप्लिनरी		
1	MDHD-1	साहित्य की विधाएं	3	1
2	MDHD-2	अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार	3	2
3	MDHD-3	पर्यावरण और साहित्य	3	3
		रिसर्च कोर्स		
1	RCHD-1	शोध-प्रविधि	4	7
2	RCHD-2	मध्यकालीन हिंदी कविता	4	8
2	RCHD-2	आधुनिक हिंदी कविता	4	8
2	RCHD-2	हिंदी कथा साहित्य	4	8
3	RCHD-3	शोध आलेख और पुस्तक समीक्षा	4	8
		ए.इ.सी. (एम आई एल : हिंदी)		
1	AECHD-1	हिंदी व्याकरण और रचना	**2**	**1**
2	AECHD-2	हिंदी भाषा और सम्प्रेषण	**2**	**3**
		इंटर्नशिप	**4**	**2/4/6/8**

MAJOR
PAPER (पत्र) – 1
बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी

सेमेस्टर : 1 क्रेडिट : 4

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

*इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) साहित्य का इतिहास लेखन, उसकी आवश्यकता एवं उपयोगिता को समझ सकेंगे (ख) साहित्य के विकास एवं परिवर्तन प्रक्रिया को जानेंगे। हिंदी साहित्य इतिहास के विभिन्न कालखंडों की विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे। **विशेष** - अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र देश-विदेश की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल, मध्यकाल)

पाठ्यविषय :-

1. (क) साहित्य के इतिहास की अवधारणा, हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन, नामकरण।
   (ख) आदिकाल : परिस्थितियाँ, नामकरण, प्रवृतियाँ एवं साहित्यिक परिचय।
2. भक्तिकाल : परिस्थितियाँ, निर्गुण काव्यधारा, ज्ञानमार्गी काव्यधारा एवं प्रेममार्गी काव्यधारा की प्रवृत्तियाँ।
3. भक्तिकाल : सगुण काव्यधारा - कृष्ण काव्यधारा एवं राम काव्यधारा की प्रवृत्तियाँ।
4. रीतिकाल : परिस्थितियाँ, नामकरण, काव्यधाराएँ एवं प्रवृत्तियाँ।

(कवि - परिचय से सम्बद्ध प्रश्न नहीं पूछे जाएँगे)।

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. हिंदी साहित्य की भूमिका, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. हिंदी साहित्य का आदिकाल, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
5. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग - 1 और 2), विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
7. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
8. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास, सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
9. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (खण्ड - 1 और 2), गणपतिचन्द्र गुप्त,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
10. हिंदी साहित्य का अलोचनात्मक इतिहास, रामकुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

MAJOR

PAPER (पत्र) – 2

बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी

सेमेस्टर : 1 क्रेडिट : 4

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

*इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) भक्तिकाल के महत्त्वपूर्ण कवियों की कविताओं की अंतर्वस्तु और शिल्प को जान सकेंगे। **विशेष** - अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र देश-विदेश की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(मध्यकालीन कविता - 1)

पाठ्यविषय :-

1. कबीरदास : कबीर ग्रंथावली, संपा, श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
   साखी : गुरुदेव को अंग - 1-15 दोहे, सुमिरण को अंग - 1-15 दोहे, विरह को अंग - 1-15 दोहे।
2. सूरदास : सूरसागर सार, सं. धीरेन्द्र वर्मा, साहित्यभवन लिमिटेड, इलाहाबाद
   विनय के पद : 1 से 15 तक, राधा - कृष्ण : 1-15 पद तक।
3. तुलसीदास : विनयपत्रिका, गीताप्रेस, गोरखपुर
   छंद संख्या : 1 से 25 तक।
4. मीराबाई : मीराबाई की पदावली, सं. परशुराम चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग
   आरंभिक 25 पद।

संदर्भ ग्रंथ :

1. मीरा का काव्य, विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. मीरा ग्रंथावली, कल्याण सिंह शेखावत, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. कबीर, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य, मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. गोस्वामी तुलसीदास, रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
6. तुलसीदास, माताप्रसाद गुप्त, हिंदी परिषद्, इलाहाबाद।
7. मध्ययुगीन हिंदी संत साहित्य और रवींद्रनाथ, रामेश्वर मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
8. मीराबाई, डॉ. कृष्णदेव झारी, शारदा प्रकाशन, महरौली, नई दिल्ली।
9. त्रिवेणी, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
10. सूरदास, ब्रजेश्वर वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
11. पूरा कबीर : सं. बलदेव वंशी, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।
12. . वैदहि ओखद जाणे: मीरा और पश्चिमी ज्ञान-मीमांसा, माधव हाड़ा, राजकमल, नई दिल्ली।

MAJOR
PAPER (पत्र) – 3
बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी

सेमेस्टर : 2 क्रेडिट : 4

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) हिंदी साहित्य इतिहास के आधुनिककाल की महत्त्वपूर्ण विशेषता को जान सकेंगे। (ख) आधुनिककाल से सम्बधित काव्य विषयों के साथ-साथ गद्य विधाओं की महत्त्वपूर्ण उपलब्धियों को जान सकेंगे। ***विशेष*** *- अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र देश-विदेश की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिककाल)

पाठ्यविषय :-

1. आधुनिक काल के उदय की पृष्ठभूमि।
   (क) भारतेंदु युग : सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ ।
   (ख) द्विवेदी युग : सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ ।
2. छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता।
3. कथा - साहित्य : हिंदी कहानी और हिंदी उपन्यास का विकास।
4. नाटक, एकांकी, आलोचना, निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा साहित्य, रिपोर्ताज, पत्र-साहित्य, आत्मकथा और जीवनी आदि का इतिहास।
   (**कवि / लेखक-परिचय से सम्बधित प्रश्न नहीं पूछे जाएँगे**)।

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास, रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. हिंदी साहित्य का इतिहास, सं. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
3. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास, बच्चन सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद।
5. हिंदी का गद्य साहित्य, डॉ. रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
6. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. समकालीन कविता : सम्प्रेषण का संकट, परमानंद श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. आलोचना के सौ बरस, सं. अरविन्द त्रिपाठी, शिल्पायन, दिल्ली।
9. हिंदी नाटक, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
10. आधुनिक भारतीय नाट्य-विमर्श, जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
11. हिंदी का कथेतर गद्य : परंपरा और प्रयोग, दयानिधि मिश्र (संपा), वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

MAJOR
PAPER (पत्र) – 4
बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी

सेमेस्टर : 2 क्रेडिट : 4

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) हिंदी साहित्य के एक विशेष कालखंड छायावाद से संबंधित कवियों और उनकी काव्य विशेषताओं को समझ सकेंगे। (ख) छायावादयुगीन काव्य के महत्त्व से परिचित हो सकेंगे। ***विशेष -*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(आधुनिक हिंदी कविता - 1)

पाठ्यविषय :-

1. जयशंकर प्रसाद : लहर से 5 कविताएँ :
   बीती विभावरी जाग री, अशोक की चिंता, शेरसिंह का शस्त्र समर्पण, प्रलय की छाया, उठ-उठ री लघु-लघु लोल लहर।
2. सुमित्रानंदन पंत : 5 कविताएँ : आधुनिक कवि : सुमित्रानंदन पंत :
   प्रथम रश्मि, भारत माता, गीत विहग, बापू, यह धरती कितना देती है।
3. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला : 5 कविताएँ : राग-विराग, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
   कविता संख्या : 8,9,49,63,109।
4. महादेवी वर्मा : 5 कविताएँ : आधुनिक कवि : महादेवी वर्मा :
   कविता संख्या : 9,36,37,48,49।

संदर्भ ग्रंथ :

1. निराला की साहित्य-साधना, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. महादेवी, इंद्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
3. प्रसाद का काव्य, डॉ. प्रेमशंकर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. काव्य का देवता, निराला, विश्वंभर मानव, लोकभारती प्रकाशन।
5. छायावाद, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. सुमित्रानंदन पंत, डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
7. निराला : आत्महंता आस्था, दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. पंत : काव्य, कला और दर्शन, सुधा सक्सेना, आत्माराम एंड संस, दिल्ली।
9. महादेवी, दूधनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. पन्त, प्रसाद और निराला, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद।

MAJOR
PAPER (पत्र) – 5
बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी

सेमेस्टर : 3 क्रेडिट : 4

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगें - (क) छायावादोत्तर काल से सम्बधित महत्त्वपूर्ण कवियों और उनकी काव्य विशेषताओं को जान सकेंगे। (ख) छायावादोत्तर काल के काव्य का महत्त्व से परिचित हो सकेंगे। ***विशेष -*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर वह विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(आधुनिक हिंदी कविता - 2)

पाठ्यविषय :-

1. उत्तर छायावाद:
   - क) दिनकर : कुरुक्षेत्र (छठा सर्ग)।
   - ख) भवानी प्रसाद मिश्र : प्रतिनिधि कविताएँ : गीत फरोश, सतपुड़ा के घने जंगल, गाँव।
2. प्रगतिवाद
   - क) नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ : बादल को घिरते देखा है, हरिजन गाथा, अकाल और उसके बाद।
   - ख) केदारनाथ अग्रवाल : प्रतिनिधि कविताएँ : चंद्रगहना से लौटती बेर, धरती, ज़िंदगी।
3. प्रयोगवाद/नयी कविता
   - क) अज्ञेय : प्रतिनिधि कविताएँ : कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप, यह दीप अकेला।
   - ख) मुक्तिबोध : प्रतिनिधि कविताएँ : मुझे कदम कदम पर, सहर्ष स्वीकारा है, भूल गलती।
4. प्रयोगवाद/नयी कविता
   - क) शमशेर : प्रतिनिधि कविताएँ : एक पीली शाम, चूका भी हूँ मैं नहीं, बात बोलेगी।
   - ख) सर्वेश्वर : प्रतिनिधि कविताएँ : पत्नी की मृत्यु पर, सूखा, भेड़िया - 3।

संदर्भ ग्रंथ :

1. रामधारी सिंह दिनकर, विजयेंद्र नारायण सिंह, साहित्य अकादेमी, दिल्ली।
2. नागार्जुन की कविता, अजय तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. सर्वेश्वर और उनकी कविता, कृष्णदत्त पालीवाल, लिपि प्रकाशन, दिल्ली।
4. अज्ञेय की कविता : एक मूल्यांकन, चंद्रकांत वांदिवडेकर, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद।
5. कविता के नए प्रतिमान, डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. नयी कविता और अस्तित्ववाद, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. दिनकर के काव्य में इतिहास एवं राजनीति, सुभाष चंद्र राय, गौरव प्रकाशन, दिल्ली।
8. अज्ञेय का कवि - कर्म, रमेशचंद्र शाह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. भवानी प्रसाद मिश्र का काव्य संसार, कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. केदारनाथ अग्रवाल में लोक जीवन के रंग, सुनील कुमार दुबे, परिमल प्रकाशन, इलाहाबाद।
11. साहित्य और जीवन विवेक, मुक्तेश्वर नाथ तिवारी, आनंद प्रकाशन, कोलकाता।
12. कवियों के कवि शमशेर, रंजना अरगड़े, बहादुर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

MAJOR
PAPER (पत्र) – 6
बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी

सेमेस्टर : 3 क्रेडिट : 4

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत और स्थापनाओं से परिचित होंगे। (ख) रस, अलंकार, छंद के महत्त्व से परिचित हो सकेंगे। ***विशेष -*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर के विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(भारतीय काव्यशास्त्र)

पाठ्यविषय :-

1. काव्य - लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्य के प्रकार-श्रव्य, दृश्य, चंपू।
2. शब्द-शक्ति, काव्य-गुण, काव्य-दोष।
3. रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति और औचित्य सिद्धांतों का सामान्य परिचय।
4. 10 प्रमुख काव्यालंकार और 10 छंद।
   अलंकार : अनुप्रास, वक्रोक्ति, यमक, श्लेष, उत्प्रेक्षा, उपमा, रूपक, विशेषोक्ति, विरोधाभास, अपह्नुति।
   छंद : चौपाई, दोहा, रोला, सोरठा, त्रोटक, हरिगीतिका, छप्पय, सवैया, कुण्डलिया, बरवै।

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय काव्यशास्त्र, बलदेव उपाध्याय, चौखंभा प्रकाशन, दिल्ली।
2. काव्य के तत्व, देवेंद्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. काव्यशास्त्र, भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. अलंकार मुक्तावली, देवेंद्रनाथ शर्मा, भारती भवन, पटना।
5. काव्यशास्त्र चर्चा, देवकीनंदन श्रीवास्तव, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ।
6. हिंदी छंद प्रकाश, रघुनंदन शास्त्री, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
7. हिंदी छंदोलक्षण, नारायण दास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. भारतीय काव्यशास्त्र, योगेंद्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. भारतीय काव्यशास्त्र, विश्वंभरनाथ उपाध्याय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. भारतीय काव्यशास्त्र, तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

MAJOR

PAPER (पत्र) – 7

बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी

सेमेस्टर : 4 | क्रेडिट : 4

समय : 3 घंटे | पूर्णांक : 100

इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) हिंदी कहानी की विकास यात्रा से परिचित होंगे। (ख) हिंदी की कुछ विशेष कहानियों के बारे में उनकी विशेषता सहित जान सकेंगे। ***विशेष -*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर के विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(हिंदी कहानी)

पाठ्यविषय :-

1. हिंदी कहानी का संक्षिप्त इतिहास, कहानी: टोकरी भर मिट्टी - माधव राव सप्रे, उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी, पूस की रात - प्रेमचंद, पुरस्कार - जयशंकर प्रसाद।
2. पत्नी - जैनेंद्र कुमार, रोज - अज्ञेय, तीसरी कसम - फणीश्वरनाथ रेणु, दोपहर का भोजन – अमरकांत।
3. परिंदे - निर्मल वर्मा, टूटना - राजेंद्र यादव, खोई हुयी दिशाएँ - कमलेश्वर, भोलाराम का जीव - हरिशंकर परसाई।
4. सिक्का बदल गया- कृष्णा सोबती, अपना रास्ता लो बाबा - काशीनाथ सिंह, तिरिछ - उदय प्रकाश, तिरिया-चरित्तर - शिवमूर्ति।

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी कहानी का विकास, मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. कहानीकार प्रेमचंद : रचना दृष्टि और रचना शिल्प, शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. कहानी : नयी कहानी, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. कुछ कहानियाँ : कुछ विचार, विश्वनाथ त्रिपाठी।
5. नई कहानी : संदर्भ एवं प्रकृति, देवीशंकर अवस्थी।
6. हिंदी कहानी का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. हिंदी कहानियों की शिल्प विधि का विकास, लक्ष्मीनारायण लाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. कहानी : प्रकृति और पाठ, सुरेंद्र चौधरी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. कहानी की अर्थान्वेषी आलोचना, पांडेय शशिभूषण शीतांशु, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
10. हिंदी कहानी का पहला दशक, भवदेव पाण्डेय, रेमाधव पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
11. हिंदी कहानी अंतर्वस्तु का शिल्प, राहुल सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. कहानी समय, कृष्णा मोहन, शिल्पायन, नई दिल्ली।

MAJOR

PAPER (पत्र) – 8
बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी

सेमेस्टर : 4 क्रेडिट : 4

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) हिंदी भाषा की विकास यात्रा को जान सकेंगे। (ख) देवनागरी लिपि के इतिहास और उसकी विशेषता को जान सकेंगे। ***विशेष -*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग करके छात्र विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(हिंदी भाषा एवं लिपि)

पाठ्यविषय :-

1. (क) हिंदी की उत्पत्ति, पुरानी हिंदी, अपभ्रंश, अवहट्ठ।
   (ख) हिंदी का भौगोलिक क्षेत्र एवं बोलियाँ, पूर्वी हिंदी और पश्चिमी हिंदी।
2. हिंदी की ध्वनि : संरचना, रूप-संरचना एवं वाक्य-संरचना।
3. हिंदी का शब्द भंडार : तत्सम, तद्भव, देशज, आगत शब्दावली।
4. देवनागरी लिपि : इतिहास, मानकीकरण, वैज्ञानिकता, विशेषताएँ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय आर्यभाषा और हिंदी, सुनीति कुमार चटर्जी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. हिंदी भाषा का इतिहास, धीरेंद्र वर्मा, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयाग।
3. हिंदी भाषा का उद्भ्रम और विकास, उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार, प्रयाग।
4. हिंदी भाषा, हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. हिंदी भाषा, भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
6. नागरी लिपि और हिंदी वर्तनी, अनंतलाल चौधरी, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादेमी, पटना।
7. हिंदी भाषा की संरचना, भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. हिंदी भाषा का इतिहास, भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. भारतीय लिपियों की कहानी, गुणाकर मुले, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. भाषा विज्ञान रसायन, कैलाशनाथ पांडेय, गाजीपुर साहित्य संवाद, गाजीपुर।

MAJOR
PAPER (पत्र) – 9
बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी

सेमेस्टर : 4 क्रेडिट : 4

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) हिंदी के चार प्रमुख उपन्यासों के माध्यम से रचनाकार के मंतव्य और वर्णित समाज का सच जान सकेंगे। (ख) रचनाकार के उद्देश्य से परिचित हो सकेंगे। ***विशेष -*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर के छात्र विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(हिंदी उपन्यास)

पाठ्यविषय :-

1. गबन : प्रेमचंद
2. अनामदास का पोथा : हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. दिव्या : यशपाल
4. महाभोज : मन्नू भण्डारी

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रेमचंद, रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिंदी उपन्यास का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिंदी उपन्यास का विकास, मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. हिंदी का गद्य साहित्य, रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. यशपाल : पुनर्मूल्यांकन, कुँवरपाल सिंह, शिल्पायन, दिल्ली।
6. दिव्या : इतिहास, संस्कृति और नारी विमर्श, नमिता सिंह, शिल्पायन, दिल्ली।
7. हिंदी उपन्यास : एक विस्तृत अध्ययन, सं. जगदीश भगत, आनंद प्रकाशन, कोलकाता।
8. क्रान्तिकारी यशपाल : एक समर्पित व्यक्तित्व, मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
9. उपन्यास की समकालीनता, ज्योतिष जोशी, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
10. हजारीप्रसाद द्विवेदी समग्र पुनरावलोकन, चौथीराम यादव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

MAJOR

PAPER (पत्र) – 10

बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी

सेमेस्टर : 4 क्रेडिट : 4

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

*इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) छात्रों के अन्दर सृजनात्मक प्रतिभा का विकास होगा (ख) छात्र हिंदी के श्रेष्ठ निबंधों के कुछ हिस्सों से परिचित हो सकेंगे। **विशेष -** अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(हिंदी निबंध)

पाठ्यविषय :-

1. रामचंद्र शुक्ल : चिंतामणि - भाग 1
   भाव या मनोविकार, श्रद्धाभक्ति, क्रोध, भय, उत्साह।
2. हजारीप्रसाद द्विवेदी : कल्पलता
   नाख़ून क्यों बढ़ते हैं, आम फिर बौरा गये, शिरीष के फूल, मनुष्य की सर्वोत्तम कृति : साहित्य, आन्तरिक शुचिता भी आवश्यक है।
3. विद्यानिवास मिश्र : मेरे राम का मुकुट भींग रहा है
   आरंभिक 5 निबंध।
4. कृष्ण बिहारी मिश्र : अराजक उल्लास
   बेहया का जंगल और नयी - नयी घेरान, अराजक उल्लास, खोइंचा गमकत जाई, पिंजरे में बंद बनैली आवाज, मकान उठ रहे हैं।

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी का गद्य साहित्य, रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. आचार्य रामचंद्र शुक्ल, रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. रामचंद्र शुक्ल, मलयज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. हिंदी निबंध और निबंधकार, रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. हिंदी ललित निबंध : स्वरूप विवेचन, वेदवती राठी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. शान्तिनिकेतन से शिवालिक, संपा. शिवप्रसाद सिंह, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
7. व्योमकेश दरवेश, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. अराजक उल्लास, कृष्ण बिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
9. गाँव की कलम,

MAJOR
PAPER (पत्र) – 11
बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी

सेमेस्टर : 5 क्रेडिट : 4

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांतों से परिचित हो सकेंगे। (ख) साहित्य को समझने में सिद्धांतों का उपयोग कर सकेंगे। ***विशेष*** *- अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(पाश्चात्य काव्यशास्त्र)

पाठ्यविषय : -

1. प्लेटो, अरस्तू (अनुकरण, विरेचन)
2. होरेस, लोंजाइनस के सिद्धांतों का सामान्य परिचय
3. वड्र्सवर्थ, मैथ्यू आर्नल्ड के सिद्धांतों का सामान्य परिचय
4. टी. एस. इलिएट, आई. ए. रिचड्र्स के साहित्य सिद्धांतों का सामान्य परिचय

संदर्भ ग्रंथ :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र, देवेंद्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
2. पाश्चात्य समीक्षा दर्शन, जगदीशचंद्र जैन, हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
3. पाश्चात्य साहित्य चिंतन, निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
4. आलोचक और आलोचना, बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र, भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
6. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन, बच्चन सिंह, हरियाणा ग्रंथ अकादेमी, चंडीगढ़।
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र, तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : नई प्रवृतियाँ, राजनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

MAJOR
PAPER (पत्र) – 12
बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी

सेमेस्टर : 5 क्रेडिट : 4

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) हिंदी के प्रमुख नाटकों से परिचित हो सकेंगे। (ख) पठित नाटकों के उद्देश्य जान सकेंगे। ***विशेष -*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(हिंदी नाटक)

पाठ्यविषय :-

1. ध्रुवस्वामिनी : जयशंकर प्रसाद
2. आषाढ़ का एक दिन : मोहन राकेश
3. माधवी : भीष्म साहनी
4. कोर्ट मार्शल : स्वदेश दीपक
5. जिस लाहौर नइ वेख्या : असगर वजाहत

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी नाटक, बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।
2. हिंदी नाटक, उद्भव और विकास, डॉ. दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली।
3. हिंदी नाटक और रंगमंच, सं. राजमल बोरा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
4. प्रसाद के नाटक, डॉ. सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना।
5. हिंदी नाटक : रंगशिल्प दर्शन, विकल गौतम, वाणी, नई दिल्ली।
6. प्रसादोत्तर कालीन नाटक, भूपेंद्र कलसी, लोकभारती, इलाहाबाद
7. मोहन राकेश और उनके नाटक, गिरीश रस्तोगी, लोकभारती, इलाहाबाद

MAJOR
PAPER (पत्र)– 13
बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी

सेमेस्टर : 5 | क्रेडिट : 4

समय : 3 घंटे | पूर्णांक : 100

इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) हिंदी पत्रकरिता का इतिहास जान सकेंगे। (ख) हिंदी पत्रकारिता के महत्त्व और उससे होने वाले लाभ से परिचित होंगे। ***विशेष -*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता)

पाठ्यविषय :-

1. पत्रकारिता : आशय एवं आवश्यकता, भारतेंदुयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय एवं प्रवृतियाँ।
2. द्विवेदीयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय एवं प्रवृतियाँ।
3. प्रेमचंद और प्रेमचंदोत्तर साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय एवं प्रवृतियाँ।
4. (क) स्वतंत्रता संघर्ष एवं हिंदी पत्रकारिता।
   (ख) स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय एवं प्रवृतियाँ।
   (ग) हिंदी की महत्त्वपूर्ण पत्र - पत्रिकाएँ : बनारस अख़बार, भारत मित्र, हिंदी प्रदीप, हिंदोस्थान, आज, हंस, सारिका, कल्पना, विशाल भारत, धर्मयुग, आदिवासी, जनसत्ता।

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी पत्रकारिता, कृष्ण बिहारी मिश्र, ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
2. आधुनिक पत्रकारिता, अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. पत्रकारिता के विविध संदर्भ, डॉ. वंशीधर लाल, अनुपम प्रकाशन, पटना।
4. पत्रकारिता के परिप्रेक्ष्य, जगदीशप्रसाद चतुर्वेदी, साहित्य संगम, इलाहाबाद।
5. हिंदी पत्रकारिता और गद्यशैली का विकास, डॉ. गंगानारायण त्रिपाठी, शांति प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. हिंदी पत्रकारिता, कृष्णबिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
7. समाचारपत्रों का इतिहास, पं. अंबिका प्रसाद बाजपेयी, ज्ञानमंडल, वाराणसी।
8. हिंदी पत्रकारिता, वेद प्रकात वैदिक, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली।
9. हिंदी पत्रकारिता समकालीन विमर्श, सिद्धेश्वर कश्यप, बिहार ग्रन्थ अकादमी, पटना।

MAJOR
PAPER (पत्र) – 14
बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी

सेमेस्टर : 6 क्रेडिट : 4

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

*इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) हिंदी भाषा के कार्यालयी उपयोग को जान सकेंगे (ख) हिंदी भाषा के व्यवसायिक रूप को पहचान सकेंगे। **विशेष** - अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(प्रयोजनमूलक हिंदी)

पाठ्यविषय :-

1. प्रयोजनमूलक हिंदी : अभिप्राय, परिभाषा, हिंदी के विविध रूप, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, संचारभाषा।
2. हिंदी की संवैधानिक स्थिति, राजभाषा के रूप में हिंदी का प्रयोग - समस्याएँ और सुझाव।
3. कार्यालयी प्रयोग में हिंदी :
   क) सरकारी पत्र, अर्द्ध सरकारी पत्र, आदेश, निविदा, विज्ञापन, टिप्पण एवं प्रारूपण।
   ख) पारिभाषिक शब्दावली : निर्माण की प्रक्रिया, समस्याएँ एवं अनुप्रयोग।
4. प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद : अनुवाद के सिद्धांत और प्रकार।

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी, रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।
2. प्रयोजनमूलक हिंदी, विजयपाल सिंह, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली।
3. प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह, मोतीलाल बनारसीदास, पटना।
4. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग, दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. राजभाषा हिंदी, कैलाशचंद्र भाटिया, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली।
6. बोलचाल की हिंदी और संचार, मधु धवन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

MAJOR
PAPER (पत्र) – 15
बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी

सेमेस्टर : 6 क्रेडिट : 4

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) रीतिकाल के महत्त्वपूर्ण कवियों की कविताओं को रसास्वादन कर सकेंगे। (ख) काव्यों की भाषा, शिल्प और शैली से परिचित हो सकेंगे। ***विशेष*** *- अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र देश-विदेश की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(मध्यकालीन कविता - 2)

पाठ्यविषय :-

1. देव : देव की दीपशिखा, विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन।
(प्रारंभ से 20 छंद)
2. केशवदास : केशव ग्रंथावली,खंड 2, संपा. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
रामचंद्रिका, अध्याय 1 से 3 तक
3. रसखान : रसखान ग्रंथावली, विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
रसखान के 20 सवैये
4. घनानंद : घनानंद कवित्त, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी।
(छंद 51 से 70)
5. बिहारी : बिहारी रत्नाकर, जगन्नाथ प्रसाद रत्नाकर।
(दोहा संख्या 101 से 140)

संदर्भ ग्रंथ:

1. बिहारी का नया मूल्यांकन, बच्चन सिंह, लोकभारती, इलाहबाद।
2. देव और उनकी कविता, नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हॉउस, नयी दिल्ली।
3. केशव का आचार्यत्व, विजयपाल सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हॉउस, नयी दिल्ली।
4. केशव की काव्य कला, कृष्णशंकर शुक्ल, सुलभ पुस्तकमाला कार्यालय, बनारस।
5. हिंदी साहित्य का उत्तर मध्यकाल : रीतिकाल, महेंद्र कुमार, आर्य बुक डिपो, दिल्ली।
6. घनानंद और स्वछंद काव्यधारा, मनोहर लाल गौड़, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
7. घनानंद, लल्लन राय, साहित्य अकादमी, दिल्ली।

MAJOR
PAPER (पत्र) – 16
बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी

सेमेस्टर : 6 क्रेडिट : 4

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) वर्त्तमान समय के प्रमुख अस्मितामूलक विमर्श से परिचित हो सकेंगे। (ख) कुछ प्रमुख रचनाकारों की रचनाओं का विश्लेषण कर सकेंगे। ***विशेष*** *- अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र देश-विदेश की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(अस्मितामूलक विमर्श)

पाठ्यविषय :-

1. अस्मितामूलक विमर्श : अस्मिता की अवधारणा, अस्मिता - स्वरूप और प्रकृति, अस्मितामूलक विमर्श का सौंदर्यशास्त्र।
2. दलित विमर्श : जूठन - खंड1, ओमप्रकाश वाल्मीकि।
3. स्त्री-विमर्श : चाक - मैत्रेयी पुष्पा।
4. आदिवासी विमर्श : नगाड़े की तरह बजते शब्द - निर्मला पुतुल (आरंभिक 10 कविताएँ)।

संदर्भ ग्रंथ :

1. दलित साहित्य बुनियादी सरोकार, कृष्णदत्त पालीवाल,वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. दलित विमर्श, श्योराज सिंह बेचैन, अनामिका पब्लिशर्स, दिल्ली।
3. स्त्री विमर्श का कालजयी इतिहास, सं. संजय गर्ग, सामायिक प्रकाशन, दिल्ली।
4. दलित साहित्य : अनुवाद, संघर्ष एवं यथार्थ, ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण, दिल्ली।
5. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श, जगदीश्वर चतुर्वेदी, अनामिका पब्लिशर्स, दिल्ली।
6. स्त्री अध्ययन की बुनियाद, प्रमिला के. पी., राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. आदिवासी साहित्य यात्रा, सं. रमणिका गुप्ता, राधाकृष्ण, दिल्ली।
8. आदिवासी लेखन : एक उभरती चेतना, रमणिका गुप्ता, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।
9. आदिवासी साहित्य : परंपरा और प्रयोजन, वंदना टेटे, नोसन प्रेस, ।
10. औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति, न्गुगी वा थ्योंगों, अनु. आनंदस्वरूप वर्मा, ग्रंथ शिल्पी, दिल्ली।
11. वाचिकता, वंदना टेटे, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
12. आलोचना का स्त्री पक्ष, सुजाता, राजकमल, दिल्ली

MAJOR
PAPER (पत्र) – 17
बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी

सेमेस्टर : 7 क्रेडिट : 4

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगें - (क) हिंदी भाषा के विविध रूपों को गंभीरता से जान सकेंगे। (ख) हिंदी भाषा के विकास एवं प्रयोजनपरक रूप को समझ सकेंगे। ***विशेष*** *- अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(भाषा विज्ञान)

पाठ्यविषय :-

1. भाषा एवं भाषा विज्ञान : परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा विज्ञान की शाखाएं, भाषा विज्ञान के प्रकार, भाषा विज्ञान एवं अन्य ज्ञानानुशासन, संसार की भाषाओं का वर्गीकरण।
2. ध्वनि विज्ञान : ध्वनि अध्ययन के आधार, स्वर-व्यंजन के वर्गीकरण, स्वनिम और ध्वनिग्राम, ध्वनि परिवर्तन के कारण।
3. वाक्य विज्ञान एवं अर्थ विज्ञान : वाक्य के अंग, वाक्य के प्रकार, निकटस्थ अवयय, वाक्य रचना में परिवर्तन, अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं।
4. रूप विज्ञान : रूपिम एवं रूपिम विज्ञान, रूपिम के भेद, उपरूप, संरूप।

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा का इतिहास, धीरेंद्र वर्मा, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयाग।
2. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास, उदय नारायण तिवारी, भारती भंडार, प्रयाग।
3. भाषा विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
4. हिंदी भाषा,हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. भाषा का समाजशास्त्र, सुभाष शर्मा, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
6. भाषा विज्ञान की भूमिका, देवेंद्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण, दिल्ली।

MAJOR
PAPER (पत्र) – 18
बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी

सेमेस्टर : 7 क्रेडिट : 4

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) आधुनिक भारतीय साहित्य की महत्त्वपूर्ण रचनाओं से परिचित होंगे। ***विशेष -*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(आधुनिक भारतीय साहित्य)

पाठ्यविषय :-

1. गोरा : रवींद्रनाथ ठाकुर।
2. खामोश अदालत जारी है : विजय तेंदुलकर।
3. सुब्रह्मण्य भारती संचयन, साहित्य अकादमी, दिल्ली : प्रारंभ की दस कविताएँ।
4. दीवान - ए - ग़ालिब, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
   नक्श फरियादी है - 1, कहते हो न देंगे हम - 4, बसकि दुश्वार है - 18, दर्द मिन्नत कश - ए - दवा न हुआ - 27, जिक्र उस परीवश का - 44, इश्रत - ए - कतर है - 49, न - गुल - ए - नग़मः हूँ - 72, आह को चाहिए - 79, दिल ही तो है - 116, तस्कीं को हम न - 160।

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्य, डॉ. रामछबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. भारतीय साहित्य,डॉ. नगेंद्र, मयूर पेपरबैक, नई दिल्ली।
3. भारतीय साहित्य की पहचान, डॉ. सियाराम तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. भारतीय साहित्य की भूमिका, रामविलास शर्मा, राजकमल, नई दिल्ली।
5. सुब्रह्मण्य भारती : एक परिचय, विद्यानिवास मिश्र।
6. रवीन्द्र साहित्य के हिंदी अनुवादों का अनुशीलन, शकुंतला मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. ग़ालिब उग्र, रेकसंस पब्लिशर्स, नयी दिल्ली।
8. ग़ालिब, लेखराम, आर्य बुक डीपो, नयी दिल्ली।
9. रवीन्द्रनाथ टैगोर; उपन्यास, स्त्री और नवजागरण, वैभव सिंह, वाणी, दिल्ली

MAJOR
PAPER (पत्र) – 19
बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी

सेमेस्टर : 7 क्रेडिट : 4

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

*इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) कथेतर गद्य साहित्य की प्रमुख विधाओं के साहित्य से परिचित हो सकेंगे। **विशेष -** अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(कथेतर गद्य साहित्य)

पाठ्यविषय :-

1. व्यंग्य साहित्य :
   हरिशंकर परसाई : पगडंडियों का जमाना, सोने का साँप, बेचारा भला आदमी, आँगन में बैंगन।
2. यात्रा साहित्य :
   राहुल सांकृत्यायन : ईरान में, मास्को में एक पखवाड़ा, तिब्बत के सीमांत पर, नीड़ की ख़ोज।
3. जीवनी :
   प्रेमचंद घर में : शिवरानी देवी।
4. रिपोर्ताज :
   फणीश्वर नाथ 'रेणु' : ऋणजल धनजल : बाढ़ 1973, जो बोले सो निहाल, कलाकारों की रिलीफ पाटी, मानुष बने रहो।

संदर्भ ग्रंथ :

1. मेरी जीवन यात्रा - खंड - 1, जिल्द 3, राधाकृष्ण, दिल्ली।
2. हरिशंकर परसाई, व्यंग्य की वैचारिक पृष्ठभूमि, राधेमोहन शर्मा, भूमिका प्रकाशन, दिल्ली।
3. तुम्हारा परसाई, कांति कुमार जैन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. समय साम्यवादी, विष्णुचंद्र शर्मा, संवाद प्रकाशन, मेरठ।
5. राहुल सांकृत्यायन : अनात्म बेचैनी का यायावर, अशोक कुमार पांडेय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. राहुल सांकृत्यायन : सृजन और संघर्ष, उर्मिलेश, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. आँखन देखी, कमला प्रसाद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. साहित्यिक विधाएं : सैद्धांतिक पक्ष, मधु धवन, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
9. फणीश्वर नाथ रेणु, मन्मथ नाथ गुप्त, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

MAJOR
PAPER (पत्र) – 20
बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी

सेमेस्टर : 8 क्रेडिट : 4

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

*इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) समकालीन कवि एवं उनकी कविताओं से परिचित हो सकेंगे। **विशेष -** अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(समकालीन कविता)

पाठ्यविषय :-

1. क) रघुवीर सहाय: प्रतिनिधि कविताएँ: रामदास, आत्महत्या के विरुद्ध, हँसो हँसो जल्दी हँसो।
   ख) धर्मवीर भारती : कनुप्रिया।
2. क) केदारनाथ सिंह : प्रतिनिधि कविताएँ : मांझी का पुल, बाघ (9 खंड तक), जगरनाथ।
   ख) मंगलेश डबराल : कवि ने कहा - चुनी हुई कविताएँ : पहाड़ पर लालटेन, तानाशाह कहता है, शान्तिनिकेतन रिपोर्ताज।
3. क) कुँवर नारायण : प्रतिनिधि कविताएँ : अबकी बार लौटा, एक वृक्ष की हत्या, इतना कुछ था।
   ख) धूमिल : प्रतिनिधि कविताएँ : मोचीराम, किस्सा जनतंत्र।
4. क) विनोद कुमार शुक्ल : प्रतिनिधि कविताएँ : प्यारे नन्हे बेटे को, रायपुर विलासपुर सम्भाग, अतीत को स्मरण।
   ख) कात्यायनी : कवि ने कहा - चुनी हुई कविताएँ : हॉकी खेलती लड़कियाँ, सात भाइयों के बीच चंपा, मुख़्तसर - सी कुछ बातें।

संदर्भ ग्रंथ :

1. कविता के नए प्रतिमान, डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. आधुनिक काव्यधारा, केशरी नारायण शुक्ल, नन्दकिशोर प्रकाशन, दिल्ली।
3. साहित्य और जीवन-विवेक, मुक्तेश्वरनाथ तिवारी, आनंद प्रकाशन, कोलकाता।
4. जनवादी कविता का धूमकेतु, रवींद्र भारती, अमित प्रकाशन, गाजियाबाद।
5. अथातो काव्य जिज्ञासा, सं. मंजुल उपाध्याय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. सर्वेश्वरदयाल सक्सेना का रचना - कर्म, कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. केदारनाथ सिंह : चकिया से दिल्ली, कामेश्वर प्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. रघुवीर सहाय का कवि - कर्म, सुरेश शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
9. नयी कविता और अस्तित्ववाद, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
10. कविता का देशकाल, मुक्तेश्वरनाथ तिवारी, साहित्य निकेतन, कानपुर।

MAJOR
PAPER (पत्र) – 21
बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी

सेमेस्टर : 8 क्रेडिट : 4

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) लोक साहित्य से परिचित हो सकेंगे। ***विशेष -*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(लोक साहित्य और संस्कृति)

पाठ्यविषय :-

1. लोक की अवधारणा, लोक - साहित्य का स्वरूप और हिंदी भाषा के लोक साहित्य का स्वरूप।
2. लोक साहित्य के विविध आयाम : लोकगाथा, लोकगीत, संस्कारगीत, श्रमगीत, रामलीला, नौटंकी, स्वांग, बिदेसिया।
3. बोली, भाषा, लोकभाषा, देशज शब्द, मुहावरे, लोकोक्ति, छन्द, ताल, लय और वाद्य, भाषा और संगीत का अंतरसंबंध, लोक - संस्कृति, लोकाचार, लोक - विश्वास, लोकोत्सव।
4. प्रमुख लोक साहित्यकार : जगनिक, संत सिंगा जी, भिखारीठाकुर, ईसुरी, विजयदान देथा।

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी का लोक: कुछ रस, कुछ रंग, रसाल सिंह, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली।
2. लोक साहित्य की भूमिका, कृष्णदेव उपाध्याय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. लोकसाहित्य संदर्भ (बंगला एवं भोजपुरी साहित्य), हरिश्चंद्र मिश्र, मध्यप्रदेश संस्कृतिक परिषद्, भोपाल।
4. लोक साहित्य, सुरेश गौतम, संजय प्रकाशन, वाराणसी।
5. लोक नाट्य सांग : कल और आज, पूर्णचंद शर्मा, हिंदी साहित्य निकेतन, दिल्ली।
6. भारतीय लोक अवधारणाओं के आधार एवं स्वरूप, प्रताप सिंह चंदिल,।
7. लोकगीत पाठ एवं विमर्श, सत्यप्रिय पाण्डेय, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
8. लोक आख्यान परंपरा और परिदृश्य, श्याम सुंदर दुबे, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर।
9. लोक साहित्य और लोक संस्कृति, दिनेश्वर प्रसाद, ।

MINOR
PAPER-1

सेमेस्टर : 1 और 2 क्रेडिट : 4
समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) स्वतंत्रता आंदोलन को ध्यान रखकर लिखे गए काव्य के बारे में जान सकेंगे। (ख) राष्ट्रीय काव्यधारा के महत्त्व और काव्य विशेषता से परिचित हो सकेंगे। ***विशेष -*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा)

पाठ्यविषय :-

1. मैथिलीशरण गुप्त : भारत भारती
   भारत की श्रेष्ठता, हमारे पूर्वज, आर्य स्त्रियाँ, हमारी सभ्यता, हमारी विद्या बुद्धि
2. माखनलाल चतुर्वेदी : हिमकिरीटिनी (अंतिम पाँच कविताएँ)
3. रामधारी सिंह दिनकर : रश्मिरथी (तीसरा सर्ग)
4. सुभद्रा कुमारी चौहान : मुकुल (प्रारंभिक 5 कविताएँ)

संदर्भ ग्रंथ :

1. माखनलाल चतुर्वेदी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली।
2. युगचरण दिनकर, डॉ. सावित्री सिन्हा, सेतु प्रकाशन, दिल्ली।
3. मैथिलीशरण गुप्त, नंदकिशोर नवल, राजकमल, नई दिल्ली।
4. रामधारी सिंह दिनकर (मोनोग्राम), विजेंद्र नारायण सिंह, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली।
5. सुभद्रा कुमारी चौहान, सुधा चौहान, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली।
6. दिनकर का प्रबंध-शिल्प, डॉ. नवीन कुमार, मीनाक्षी प्रकाशन, दिल्ली।
7. दिनकर के काव्य में इतिहास और राजनीति, डॉ. सुभाषचंद्र राय, गौरव बुक डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।

MINOR

PAPER-2

सेमेस्टर : 3 और 4 क्रेडिट : 4

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) आदिकालीन एवं निर्गुण काव्य के महत्त्वपूर्ण कवियों की कविताओं को जान सकेंगे। ***विशेष*** *- अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र देश-विदेश की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(आदिकालीन एवं निर्गुण काव्य)

पाठ्यविषय :-

1. विद्यापति : शिव प्रसाद सिंह
   पद 11 से 30 : रूप वर्णन
2. अमीर खुसरो : अमीर ख़ुसरो जीवन और साहित्य, अभिधा बुक्स, दिल्ली
   पहेलियाँ एवं मुकरियाँ (प्रारंभ से 20)
3. कबीरदास : कबीर ग्रंथावली, संपा, श्यामसुंदर दास
   साखी :गुरुदेव को अंग-15 दोहे, सुमिरण को अंग-15दोहे, विरह को अंग-15 दोहे।
4. मलिक मुहम्मद जायसी : पद्मावत: मानसरोदक खंड

संदर्भ ग्रंथ :

1. कबीर, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. कबीर का रहस्यवाद, रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद।
3. अमीर खुसरो, बहादुर मिश्र।
4. विद्यापति समय से संवाद, चंद्रदेव यादव, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली।
5. जायसी, विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहबाद।
6. अमीर ख़ुसरो और उनकी हिंदी रचनाएँ, भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
7. अमीर ख़ुसरो का हिन्दवी काव्य, गोपीचंद नारंग, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

MINOR

Paper–3

सेमेस्टर : 5 और 6 क्रेडिट : 4

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) हिंदी कथा साहित्य की विकास यात्रा से परिचित होंगे। (ख) हिंदी की कुछ विशेष कहानियों के बारे में उनकी विशेषता सहित जान सकेंगे। ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर के विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(कथा साहित्य)

पाठ्यविषय :-

1. प्रेमचंद : निर्मला
2. मंजुल भगत : अनारो
3. (क) प्रेमचंद : ईदगाह, पंच परमेश्वर
   (ख) प्रसाद : पुरस्कार, आकाशदीप
   (ग) जैनेन्द्र : पाज़ेब, पत्नी
4. (क) यशपाल : फूलो का कुर्ता, चित्र का शीर्षक
   (ख) फणीश्वरनाथ रेणु : संवदिया, पंचलाइट
   (ग) ज्ञानरंजन : पिता, घंटा

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रेमचंद और उनका युग, रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली।
2. कुछ कहानियाँ कुछ विचार, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. हिंदी कहानी का विकास, मधुरेश, लोकभारती, इलाहाबाद।
4. हिंदी उपन्यास का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिंदी गद्य का विकास, रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
6. हिंदी कहानी का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

MINOR
PAPER-4

सेमेस्टर : 7 और 8 क्रेडिट : 4
समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) हिंदी के प्रमुख शुरुआती नाटकों और एकांकियों से परिचित हो सकेंगे। (ख) पठित एकांकी और नाटकों के उद्देश्य से परिचित हो सकेंगे। ***विशेष*** *- अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(हिंदी नाटक और एकांकी)

पाठ्यविषय :-

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : अंधेर नगरी
2. जयशंकर प्रसाद : विशाख
3. सर्वेश्वरदयाल सक्सेना : बकरी
4. हिंदी एकांकी, सं. चंद्रगुप्त विद्यालंकार, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली।
   आरंभिक 5 एकांकी

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतेंदु युगीन नाट्य साहित्य, भानुदेव शुक्ल,।
2. हिंदी नाटक सिद्धांत और विवेचन, गिरीश रस्तोगी।
3. रंगमंच के सिद्धांत, देवेन्द्रराज अंकुर और महेश आनंद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच, लक्ष्मी नारायण लाल।
5. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, जगन्नाथ प्रसाद शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
6. नाटककार सर्वेश्वर, धीरेंद्र शुक्ल, शान्ति प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. प्रसादोत्तर कालीन नाटक, भूपेन्द्र कलसी, लोकभारती, इलाहाबाद।
8. हिंदी एकांकी की शिल्प विधि का विकास, सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
9. हिंदी एकांकी : उद्भव और विकास, रामचरण महेंद्र, साहित्य प्रकाशन, दिल्ली।
10. हिंदी एकांकी : तत्त्व, विकास एवं प्रमुख एकांकीकार, रामचरण महेंद्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

SEC
Hindi
Paper- 1

सेमेस्टर : 1 | क्रेडिट : 3

समय : 3 घंटे | पूर्णांक : 75

इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) पत्र पत्रिकाओं के संपादन से सम्बंधित तथ्यों को जान सकेंगे (ख) पत्र पत्रिकाओं की सामग्री से परिचित हो सकेंगें। ***विशेष-****अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(संपादन प्रक्रिया और साज-सज्जा)

पाठ्यविषय :-

1. संपादन : अवधारणा, उद्देश्य, आधारभूत तत्व, निष्पक्षता और सामाजिक संदर्भ, समाचार विश्लेषण, संपादन-कला के सामान्य सिद्धांत। संपादक और उपसंपादक : योग्यता, दायित्व और महत्व।
2. समाचार मूल्य, लीड, आमुख, शीर्षक-लेखन आदि प्रत्येक दृष्टि से चयनित सामग्री का मूल्यांकन और संपादन। संपादन चिह्न और वर्तनी पुस्तिका। प्रिंट मीडिया की प्रयोजनपरक शब्दावली। संपादकीय लेखन : प्रमुख तत्व एवं प्रविधि। संपादकीय का सामाजिक प्रभाव। संपादकीय लेखन का व्यावहारिक रूप।
3. समाचार पत्र और पत्रिका के विविध स्तम्भों की योजना और उनका संपादन। साहित्य और कला जगत की सामग्री के संपादन की विशेषताएँ। छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि का संपादन।
4. साज-सज्जा और तैयारी : ग्राफिक्स और आकल्पन के मूलभूत सिद्धांत। मुद्रण के तरीके, दैनिक समाचार पत्र का पृष्ठ-निर्माण (डमी), पत्रिका की साज-सज्जा, रंग-संयोजन।

संदर्भ ग्रंथ :

1. पत्रकारिता के विविध संदर्भ, वंशीधरलाल, अनुपम प्रकाशन, पटना।
2. हिन्दी पत्रकारिता और गद्यशैली का विकास, गंगानारायण त्रिपाठी, शांतिप्रकाशन, इलाहाबाद।
3. समाचारपत्रों का इतिहास, अंबिका प्रसाद वाजपेयी, ज्ञानमंडल, वाराणसी।
4. पत्रकारिता के पहलू, राजकिशोर, साहित्य सदन, कानपुर।
5. समाचार पत्र : संपादन एवं पृष्ठ सज्जा, आर.के. गुप्ता, नेहा पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर ।

SEC
Paper- 2

सेमेस्टर : 2 क्रेडिट : 3

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 75

इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) साहित्य एवं सिनेमा के अंतर्संबंध को जान सकेंगे (ख) साहित्य और सिनेमा से सम्बंधित सामग्री से परिचित हो सकेंगें। ***विशेष-****अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(हिन्दी साहित्य और सिनेमा)

पाठ्यविषय : -

1. साहित्य और सिनेमा के अंतःसंबंध, सिनेमा की अवधारणा, सिनेमा का उद्भव और विकास
2. सिनेमा के प्रकार : व्यावसायिक सिनेमा, समानान्तर सिनेमा और क्षेत्रिय सिनेमा : सामान्य परिचय
3. सिनेमा, समाज और संस्कृति
4. साहित्यिक कृतियों पर बनी हिन्दी फिल्मों का अध्ययन : विशेष अध्ययन – तीसरी कसम, राजनीगंधा, सारा आकाश, सद्गति

संदर्भ ग्रंथ :

1. समय और सिनेमा, विनोद भारद्वाज, ।
2. हिन्दी सिनेमा का इतिहास, मोहन चड्ढा ।
3. हिन्दी सिनेमा में बदलते यथार्थ की अभिव्यक्ति, जबरीमल्ल पारेख, ।
4. सिनेमा और संस्कृति, राही मासूम रज़ा, ।
5. सिनेमा और साहित्य, हरीश कुमार ।
6. हिंदी साहित्य और सिनेमा, विवेक दुबे।

SEC
Papers– 3

सेमेस्टर : 3 क्रेडिट : 3

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 75

इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) रिपोर्ताज, फीचर लेखन, साक्षात्कार और समाचार पत्र के स्तम्भ लेखन की बारीकियों को जान सकेंगे (ख) उसकी विविध सामग्रियों से परिचित हो सकेंगें। ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(सर्जनात्मक-लेखन के विविध क्षेत्र)

पाठ्यविषय: -

1. रिपोर्ताज : अर्थ, रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रूप, रिपोर्ताज और फीचर लेखन प्राविधि।
2. फीचर लेखन : विषय-चयन, सामग्री निर्धारण, लेखन-प्राविधि। सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेल-कूद से सम्बद्ध विषयों पर फीचर लेखन।
3. साक्षात्कार (इंटरव्यू/भेंटवार्ता) : उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार-प्राविधि, महत्व।
4. स्तम्भ लेखन : समाचार पत्र के विविध स्तम्भ, स्तम्भ लेखन की विशेषताएँ, समाचार पत्र और सावधि पत्रिकाओं के लिए समसामयिक, ज्ञानवर्द्धन और मनोरंजन सामग्री का लेखन। साप्ताहिक अतिरिक्त सामग्री और परिशिष्ट। बाजार खेलकूद, फ़िल्म, पुस्तक और कला समीक्षा।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. हिंदी रिपोर्ताज, वीरपाल वर्मा, कुसुम प्रकाशन, मुजफ्फरनगर।
2. हिंदी विधाएँ : स्वरूपात्मक अध्ययन, बैजनाथ सिंहल, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़।
3. आधुनिक गद्य की विविध विधाएँ, उदयभानु सिंह, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. हिंदी की विधाएँ : पुनर्विचार, हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

MULTIDISCIPLINARY

PAPER-1

सेमेस्टर : 1 क्रेडिट : 3

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) साहित्य कि विविध विधाओं से परिचित हो सकेंगे और उनके बीच अंतर को समझ सकेंगे। (ख) अन्य विषयों में विविध साहित्यिक विधाओं में हो रहे लेखनों के बीच तुलना कर पाएंगे। ***विशेष -****अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(साहित्य की विधाएँ)

पाठय विषय :

1. काव्य, प्रबंध काव्य, खंड काव्य, चंपू काव्य
2. कहानी, लघुकथा, उपन्यास
3. नाटक, रेडियो नाटक, काव्य नाटक, प्रहसन, नुक्कड़ नाटक
4. निबंध, संस्मरण, जीवनी, आत्मकथा, रिपोतार्ज

संदर्भ ग्रन्थ :

1. हिन्दी बिधाएँ : स्वरूपात्मक अध्ययन, बैजनाथ सिंघल, हरियाणा साहित्य अकादेमी, चंडीगढ़ ।
2. आधुनिक गद्य की विविध विधाएँ, उदयभानु सिंह, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. हिन्दी की विधाएँ : पुनर्विचार, हरिमोहन, वानी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
4. हिन्दी की विधाएँ : मधु धवन।

MULTIDISCIPLINARY

PAPER-2

सेमेस्टर : 2 क्रेडिट : 3

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

*इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) अनुवाद की अवधारणा से परिचित होंगे और उसके सैद्धांतिक पक्ष को जान सकेंगे। (ख) अनुवाद के व्यावहारिक पक्ष से भी परिचित होंगे। **विशेष** - अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र देश-विदेश की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(अनुवाद : सिद्धांत और व्यव्हार)

पाठ्यविषय :-

1. अनुवाद की अवधारणा : अनुवाद: परिभाषा, स्वरूप, अनुवाद का महत्व, अनुवाद के गुण, अनुवाद में रोजगार की संभावना।
2. अनुवाद के क्षेत्र : प्रक्रिया, प्रकार, सीमाएँ, अनुवाद की समस्याएँ और समाधान
3. अनुवाद सैद्धान्तिकी : प्रशासनिक अनुवाद, बैंकिंग अनुवाद, विधि अनुवाद, ज्ञान, विज्ञान, तथा तकनीकी अनुवाद
4. व्यवहार पक्ष :

   (क) कौशल विकास के लिए छात्र इन अनुवादों का अध्ययन करें।

   (ख) अज्ञेय द्वारा त्यागपत्र का अंग्रेजी अनुवाद (The Resignation).

   (ग) हिन्दी, अंग्रेजी के अनुच्छेदों का अनुवाद।

   (घ) परीक्षा में छात्र अंग्रेजी के अनुच्छेदों का हिन्दी में अनुवाद करेंगे।

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. अनुवाद: भाषाएँ-समस्याएँ, डॉ. एन. ई. विश्वनाथ अय्यर, ज्ञान गंगा, दिल्ली।
2. अनुवाद सिद्धान्त और व्यवहार, मंजुला दास, पराग प्रकाशन, दिल्ली।
3. अनुवाद की समस्याएँ, जी. गोपीनाथ, लोकभारती, इलाहाबाद।
4. वैज्ञानिक साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली।
5. कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ, डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली।

MULTIDISCIPLINARY

PAPER–3

सेमेस्टर : 3 क्रेडिट : 3

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) पर्यावरण के स्वरूप से परिचित होंगे एवं उसके प्रति सजग हो पाएंगे। (ख) पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होंगे। ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय होंगे।*

(पर्यावरण और साहित्य)

पाठ्यविषय :-

1. प्रकृति पर्यावरण सजगता, पर्यावरण और पारिस्थितिकी, उत्तर-औपनिवेशिक पर्यावरणवाद
2. चिन्तामणि भाग – 2, रामचंद्र शुक्ल पाठ: काव्य में प्राकृतिक दृश्य
3. मेरा परिवार, महादेवी वर्मा, पाठ : गौर ; निक्की, रोजी और रानी
4. आज भी खरे हैं तालाब : अनुपम मिश्र, पाठ : पाल के किनारे रखा इतिहास, साफ माथे का समाज

संदर्भ ग्रंथ :

1. मनुष्य और पर्यावरण, इरफान हबीव
2. पर्यावरण के पाठ, अनुपम मिश्र (साक्षात्कार)
3. साहित्य का पारिस्थितिक दर्शन, के. वनजा
4. Post colonial Ecocriticism, Graham Huggen & Hellen Tiffin
5. बिन पानी सब सून, अनुपम मिश्र
6. The Ecocriticism Reader (Ed.), Cheryll Glotfelty

Research Course

PAPER - 1

सेमेस्टर : 7 क्रेडिट : 4

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे – क) शोध का अर्थ एवं उसकी विशिष्टताएं समझ सकेंगे। वे यह भी समझ सकेंगे कि शोध के दौरान किन महत्त्वपूर्ण पड़ावों से होकर गुजरना पड़ता है एवं शोध कि बारीकियाँ क्या-क्या हैं। ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र देश-विदेश की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(शोध-प्रविधि)

पाठ्यविषय :-

1. शोध का आशय, परिभाषा, अनुसंधान की प्रक्रिया की बुनयादी विशिष्टताएं, शोधर्थी की अर्हताएँ ।
2. शोध सर्वेक्षण, शोध के विविध प्रकार, विषय अथवा समस्या चयन, परिकल्पना।
3. सामग्री संकलन, साक्षात्कार एवं प्रश्नावली, क्षेत्रीय अध्ययन, पुस्तकालय उपयोग विधि, अनुसंधान के औजार।
4. अनुसंधान डिजाइन,शोध आलेख एवं प्रबंध लेखन, उद्धरण एवं पाद टिप्पणी, अनुक्रमणिका।

संदर्भ ग्रंथ :

1. रिसर्च मैथेडोलॉजी, लक्ष्मीनारायण केली, वाई. के . पुब्लिशर्स, आगरा ।
2. रिसर्च मैथेडोलॉजी, सी. आर. कोठारी, ।
3. शोध प्राविधि, विनय मोहन शर्मा ।
4. शोध स्वरूप एवं मानक कार्यविधि, बैजनाथ सिंहल ।
5. अनुसन्धान के मूल तत्व, सं. विश्वनाथ प्रसाद ।
6. अनुसन्धान, डॉ. सत्येन्द्र ।
7. हिंदी के स्वीकृत शोध-प्रबंध, उदयभानु सिंह ।

Research Course

PAPER- 2

वैकल्पिक पत्र

सेमेस्टर : 8 क्रेडिट : 4

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे – क) मध्यकलीन हिंदी कविताओं को शोधार्थी की दृष्टि से देख सकेंगे। (ख) मध्यकलीन कविताओं के क्षेत्र में शोध की संभावनाओं को जान सकेंगे। ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र देश-विदेश की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(मध्यकालीन हिंदी कविता)

पाठ्यविषय :-

1. निर्गुण काव्यधारा : संत-काव्य और सूफी-काव्य, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।
2. सगुण काव्यधारा : राम-काव्य और कृष्ण-काव्य, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।
3. रीतिबद्ध काव्यधारा : कवि शिक्षा, लक्षण और उदाहरण ग्रन्थ, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।
4. रीतिमुक्त काव्यधारा : रीतिमुक्त काव्यधारा और स्वच्छन्दतावाद प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।

संदर्भ ग्रंथ :

1. उत्तर भारत की संत-परंपरा, परशुराम चतुर्वेदी ।
2. जायसी ग्रंथावली की भूमिका, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
3. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ. रामकुमार वर्मा ।
4. हिंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
5. रीतिकाव्य की भूमिका, डॉ. नगेन्द्र , नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली ।
6. रीतिकाव्य संग्रह, जगदीश गुप्त, ग्रंथन प्रकाशन, इलाहबाद ।
7. रीति काव्य, नंदकिशोर नवल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. हिंदी साहित्य का अतीत, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन।

Research Course

PAPER- 2

वैकल्पिक पत्र

सेमेस्टर : 8 क्रेडिट : 4

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

पत्र – *इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - क) आधुनिक हिंदी कविताओं को शोधार्थी की दृष्टि से देख सकेंगे। (ख) आधुनिक कविताओं के क्षेत्र में शोध की संभावनाओं को जान सकेंगे।* ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र देश-विदेश की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(आधुनिक हिंदी कविता)

पाठ्यविषय :-

1. भारतेन्दु-युग की कविता, नवजागरण, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि।
2. स्वच्छंदतावादी हिंदी कविता, द्विवेदी युगीन हिंदी कविता प्रवृत्तियाँ, छायावाद और इसकी विशेषताएँ, प्रमुख कवि।
3. प्रगतिवादी काव्य और उसकी प्रवृत्तियाँ, प्रमुख , प्रयोगवाद और नयी कविता : प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।
4. साठोत्तरी हिंदी कविता और समकालीन हिंदी कविता, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।

संदर्भ ग्रंथ :

1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, नामवर सिंह, लोकभारती, इलाहबाद।
2. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण, दिल्ली।
3. आधुनिक हिंदी कविता, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राधाकृष्ण, दिल्ली।
4. समकालीन हिंदी कविता, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राधाकृष्ण, दिल्ली।
5. अथातो काव्य जिज्ञास, मंजुल उपाध्याय, ।
6. कविता के नए प्रतिमान, नामवर सिंह, राजकमल, दिल्ली ।
7. शताब्दी के अंत में कविता, मुक्तेश्वर नाथ तिवारी, साहित्य निकेतन, कानपुर।
8. अर्थात्, परमानन्द श्रीवास्तव, राजकमल, दिल्ली।
9. प्रगतिवाद, शिवकुमार मिश्र, ।
10. नयी कविता का आत्म संघर्ष, मुक्तिबोध, राजकमल, दिल्ली।
11. हिंदी नवलेखन, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहबाद।

Research Course

PAPER- 2

वैकल्पिक पत्र

सेमेस्टर : 8 क्रेडिट : 4

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - क) हिंदी कथा साहित्य को शोधार्थी की दृष्टि से देख सकेंगे। (ख) हिंदी कथा साहित्य के क्षेत्र में शोध की संभावनाओं को जान सकेंगे। ***विशेष -*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र देश-विदेश की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(हिंदी कथा साहित्य)

पाठ्यविषय :-

1. हिन्द उपन्यास : उपन्यास का उद्भव और विकास।
2. प्रेमचंद पूर्व हिंदी उपन्यास, प्रेमचंद युगीन हिंदी उपन्यास, प्रेमचंदोत्तर तथा समकालीन हिंदी उपन्यास।
3. हिंदी कहानी : हिंदी कहानी की पृष्ठभूमि।
4. प्रेमचंद पूर्व हिंदी कहानी, प्रेमचंद युगीन हिंदी कहानीम प्रेमचंदोत्तर हिंदी कहानी, समकालीन हिन्द कहानी।

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी उपन्यास का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल, दिल्ली।
2. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास, इन्द्रनाथ मदान, राजकमल, दिल्ली।
3. नई कहानी : सन्दर्भ और प्रकृति, देवीशंकर अवस्थी, राजकमल, दिल्ली।
4. कहानी नयी कहानी, नामवर सिंह, राजकमल, दिल्ली।
5. प्रेमचंद और उनका युग, रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली।

Research Course
PAPER- 3

सेमेस्टर : 8 क्रेडिट : 4

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - क) शोध का अर्थ एवं उसकी विशिष्टताएं क्या हैं। वे यह भी समझ सकेंगे कि शोध के दौरान किन महत्त्वपूर्ण पड़ावों से होकर गुजरना पड़ता है एवं शोध कि बारीकियाँ क्या-क्या हैं। ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र देश-विदेश की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

इस पत्र में छात्रों को शोध-आलेख एवं पुस्तक समीक्षा-लेखन के कार्य करने होंगे।

शोध-आलोख क्या है? लेख, निबंध एवं शोध-आलेख में अंतर, तात्त्विक अध्ययन।
आलोचना के प्रकारों में पुस्तक-समीक्षा का महत्त्व, पुस्तक समीक्षा के नए मानदंड, पुस्तक समीक्षा के अनिवार्य तत्त्व।

AEC
MIL (HINDI)
Paper – 1

सेमेस्टर : 1/3 क्रेडिट : 2

समय : 2 घंटे पूर्णांक : 50

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) हिंदी व्याकरण के स्वरूप से परिचित होंगे। ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(हिंदी व्याकरण और रचना)

पाठ्यविषय :-

1. हिंदी व्याकरण एवं रचना :
   (क) संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अव्यय का परिचय, उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास।
   (ख) पर्यायवाची, समानार्थक, विलोम, गूढ़ार्थवाची, अनेक शब्दों के लिए एक शब्दयुग्म और हिंदी का अनुप्रयोगात्मक व्याकरण, मुहावरे और लोकोक्तियाँ।
2. पत्र-लेखन : व्यक्तिगत, व्यावसायिक, सरकारी, अर्धसरकारी, सूचना, परिपत्र।
3. पल्लवन, संक्षेपण और भावार्थ लेखन।
4. निबंध लेखन : समसामयिक, सामाजिक, जीवनीपरक और विज्ञान संबंधी।

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी व्याकरण, कामता प्रसाद गुरु, इंडियन प्रेस लि., प्रयाग।
2. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन, पटना।
3. हिंदी निबंध रत्नाकर, डॉ. सुनीता चौहान, राधा प्रकाशन, आगरा।
4. प्रयोजनमूलक हिंदी, कमलेश्वर भट्ट एवं कमला कौशिक, शारदा प्रकाशन, दिल्ली।

MIL (HINDI)

Paper – 2

सेमेस्टर : 2/4 | क्रेडिट : 2

समय : 2 घंटे | पूर्णांक : 50

इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) हिंदी भाषा के व्याकरणिक पक्ष और संप्रेषण को जान सकेंगे। ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(हिंदी भाषा और संप्रेषण)

पाठ्यविषय :-

1. भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप, हिंदी भाषा की विशेषताएँ : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विशेषण एवं अव्यय संबंधी।
2. हिंदी की वर्ण-व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन, स्वर के प्रकार : ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त, व्यंजन के प्रकार : स्पर्श, अंतस्थ, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष तथा अघोष, वर्णों का उच्चारण स्थान : कंठ्य, तालव्य, मुर्द्धन्य, दंत्य, ओष्ठ्य तथा दंतोष्ठ्य।
3. बलाघात, संगम, अनुतान, तथा संधि।
4. भाषा संप्रेषण के चरण : श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेखन, हिंदी वाक्य रचना, वाक्य और उपवाक्य, वाक्य भेद, वाक्य का रूपांतर।

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषाविज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल, दिल्ली।
2. हिंदी भाषा, भोलानाथ तिवारी, किताब महल, दिल्ली।
3. भाषाविज्ञान, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. हिंदी भाषा का उदगम और विकास, उदयनारायण तिवारी, लोकभारती, इलाहाबाद।
5. आधुनिक भाषाविज्ञान, राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
6. आधुनिक हिंदी व्याकरण एवं रचना, वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन, पटना।

Internship
PAPER- 1

सेमेस्टर : 2/4/6/8 पत्र :1

समय : पूर्णांक : 100

पत्र – *इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे – क) हिंदी के विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान देने वाले संस्थानों के बारे में और उन संस्थानों की वर्त्तमान स्थिति से परिचित होंगे। ख) व्यावहारिक ज्ञान से समृद्ध होंगे।* ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र देश-विदेश की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।*

(Internship)

Each student under NEP-4 yr. Hindi Course will have to go for internship where each student will have to visit an institution of great reputed serving in the field of the upliftment of Hindi Language and Literature throughout the country.